



Mr.Nishan

21 Dec 1976

07:55 AM

Garhshankar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120616202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 21/12/1976 : _____ जन्म तिथि _____ : 21/12/2025
 मंगलवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 07:55:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:28:37 घंटे
 घटी 01:27:31 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 35:21:26 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Garhshankar : _____ स्थान _____ : Garhshankar
 उत्तर 31:12:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:12:00 उत्तर
 पूर्व 76:11:00 : _____ रेखांश _____ : 76:11:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:25:16 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:25:16 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:19:59 : _____ सूर्योदय _____ : 07:20:02
 17:26:54 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:26:59
 23:32:16 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:17
 धनु : _____ लग्न _____ : कर्क
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : चन्द्र
 धनु : _____ राशि _____ : धनु
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 मूल : _____ नक्षत्र _____ : पूर्वाषाढ़ा
 केतु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शुक्र
 2 : _____ चरण _____ : 4
 गण्ड : _____ योग _____ : ध्रुव
 किंस्तुघ्न : _____ करण _____ : बालव
 यो-योगेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : ढा-ढपली
 धनु : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मकर
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 श्वान : _____ योनि _____ : वानर
 राक्षस : _____ गण _____ : मनुष्य
 आद्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : श्वान
 49 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 50



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मूल	4	12:59:59	धनु			लग्न			कर्क	28:24:28	4	आश्लेषा
मूल	2	05:49:05	धनु			सूर्य			धनु	05:49:06	2	मूल
मूल	2	05:59:01	धनु			चंद्र			धनु	23:32:35	4	पूर्वाषाढा
ज्येष्ठा	4	28:20:25	वृश्चि	अ		मंगल	अ		धनु	10:35:02	4	मूल
पूर्वाषाढा	4	25:54:15	धनु			बुध			वृश्चि	19:01:23	1	ज्येष्ठा
कृतिका	1	28:43:24	मेष	व		गुरु	व		मिथु	28:25:11	3	पुनर्वसु
श्रवण	3	19:59:48	मक			शुक्र	अ		धनु	01:58:43	1	मूल
आश्लेषा	2	22:50:29	कर्क	व		शनि			मीन	01:25:44	4	पूर्वाभाद्रपद
स्वाति	1	08:25:45	तुला	व		राहु	व		कुंभ	17:22:51	4	शतभिषा
अश्विनी	3	08:25:45	मेष	व		केतु	व		सिंह	17:22:51	2	पूर्वाफाल्गुनी
स्वाति	4	16:52:49	तुला			मु			मक	12:59:59	1	श्रवण

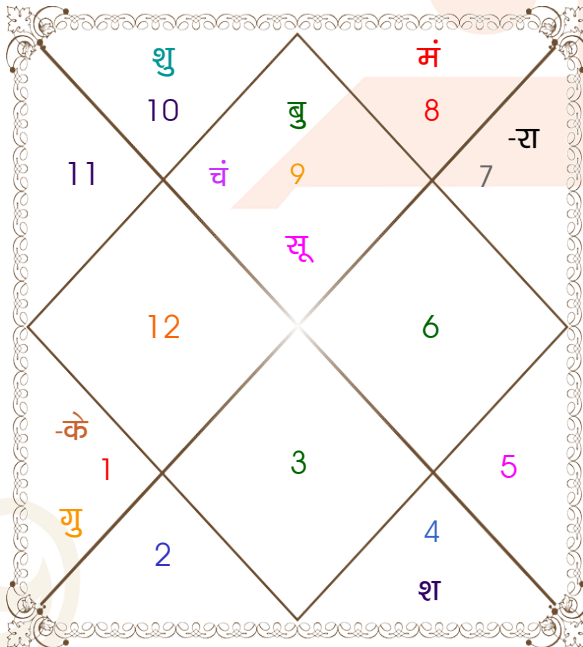
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

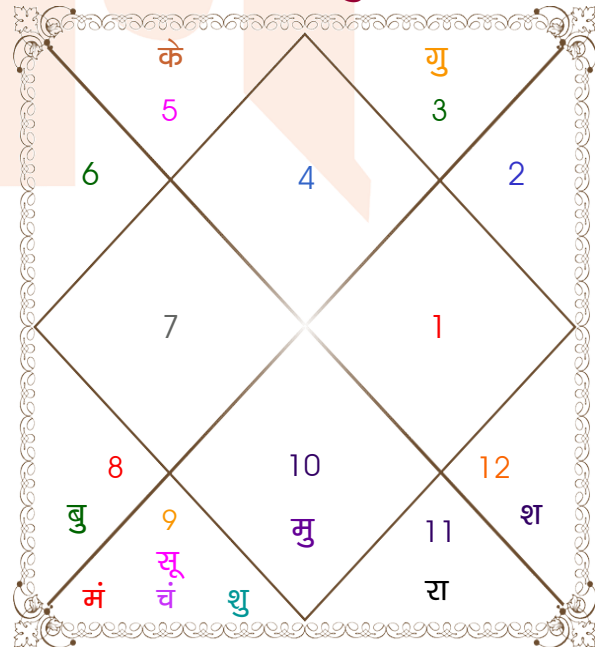
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - राहु - शुक्र	राहु - राहु - सूर्य	राहु - राहु - चंद्र	राहु - राहु - मंगल
25/07/2025 05:58	05/01/2026 14:40	23/02/2026 22:05	17/05/2026 02:26
05/01/2026 14:40	23/02/2026 22:05	17/05/2026 02:26	13/07/2026 15:04
शुक्र 21/08/2025 15:25	सूर्य 08/01/2026 01:50	चंद्र 02/03/2026 18:27	मंगल 20/05/2026 10:58
सूर्य 29/08/2025 20:39	चंद्र 12/01/2026 04:27	मंगल 07/03/2026 13:30	राहु 29/05/2026 02:04
चंद्र 12/09/2025 13:23	मंगल 15/01/2026 01:29	राहु 19/03/2026 21:21	गुरु 05/06/2026 18:09
मंगल 22/09/2025 03:29	राहु 22/01/2026 11:00	गुरु 30/03/2026 20:20	शनि 14/06/2026 20:45
राहु 16/10/2025 19:12	गुरु 29/01/2026 00:47	शनि 12/04/2026 20:37	बुध 23/06/2026 00:21
गुरु 07/11/2025 17:09	शनि 05/02/2026 20:10	बुध 24/04/2026 12:02	केतु 26/06/2026 08:53
शनि 03/12/2025 17:44	बुध 12/02/2026 19:49	केतु 29/04/2026 07:05	शुक्र 05/07/2026 22:59
बुध 27/12/2025 00:34	केतु 15/02/2026 16:51	शुक्र 12/05/2026 23:49	सूर्य 08/07/2026 20:01
केतु 05/01/2026 14:40	शुक्र 23/02/2026 22:05	सूर्य 17/05/2026 02:26	चंद्र 13/07/2026 15:04
राहु - गुरु - गुरु	राहु - गुरु - शनि	राहु - गुरु - बुध	राहु - गुरु - केतु
13/07/2026 15:04	07/11/2026 12:12	26/03/2027 07:16	28/07/2027 11:43
07/11/2026 12:12	26/03/2027 07:16	28/07/2027 11:43	17/09/2027 14:57
गुरु 29/07/2026 05:05	शनि 29/11/2026 11:37	बुध 12/04/2027 21:30	केतु 31/07/2027 11:18
शनि 16/08/2026 17:14	बुध 19/12/2026 03:31	केतु 20/04/2027 03:22	शुक्र 08/08/2027 23:51
बुध 02/09/2026 06:38	केतु 27/12/2026 05:50	शुक्र 10/05/2027 20:06	सूर्य 11/08/2027 13:12
केतु 09/09/2026 02:16	शुक्र 19/01/2027 09:01	सूर्य 17/05/2027 01:07	चंद्र 15/08/2027 19:29
शुक्र 28/09/2026 13:47	सूर्य 26/01/2027 07:34	चंद्र 27/05/2027 09:30	मंगल 18/08/2027 19:04
सूर्य 04/10/2026 10:02	चंद्र 06/02/2027 21:09	मंगल 03/06/2027 15:21	राहु 26/08/2027 11:09
चंद्र 14/10/2026 03:48	मंगल 14/02/2027 23:28	राहु 22/06/2027 06:25	गुरु 02/09/2027 06:47
मंगल 20/10/2026 23:26	राहु 07/03/2027 19:08	गुरु 08/07/2027 19:49	शनि 10/09/2027 09:06
राहु 07/11/2026 12:12	गुरु 26/03/2027 07:16	शनि 28/07/2027 11:43	बुध 17/09/2027 14:57
राहु - गुरु - शुक्र	राहु - गुरु - सूर्य	राहु - गुरु - चंद्र	राहु - गुरु - मंगल
17/09/2027 14:57	10/02/2028 17:21	25/03/2028 13:16	06/06/2028 14:28
10/02/2028 17:21	25/03/2028 13:16	06/06/2028 14:28	27/07/2028 17:43
शुक्र 11/10/2027 23:21	सूर्य 12/02/2028 21:57	चंद्र 31/03/2028 15:22	मंगल 09/06/2028 14:04
सूर्य 19/10/2027 06:40	चंद्र 16/02/2028 13:37	मंगल 04/04/2028 21:39	राहु 17/06/2028 06:09
चंद्र 31/10/2027 10:52	मंगल 19/02/2028 02:58	राहु 15/04/2028 20:37	गुरु 24/06/2028 01:47
मंगल 08/11/2027 23:25	राहु 25/02/2028 16:46	गुरु 25/04/2028 14:23	शनि 02/07/2028 04:06
राहु 30/11/2027 21:22	गुरु 02/03/2028 13:01	शनि 07/05/2028 03:58	बुध 09/07/2028 09:57
गुरु 20/12/2027 08:54	शनि 09/03/2028 11:34	बुध 17/05/2028 12:21	केतु 12/07/2028 09:33
शनि 12/01/2028 12:04	बुध 15/03/2028 16:36	केतु 21/05/2028 18:37	शुक्र 20/07/2028 22:05
बुध 02/02/2028 04:49	केतु 18/03/2028 05:57	शुक्र 02/06/2028 22:49	सूर्य 23/07/2028 11:27
केतु 10/02/2028 17:21	शुक्र 25/03/2028 13:16	सूर्य 06/06/2028 14:28	चंद्र 27/07/2028 17:43



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकांश कार्यों में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी । अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें । नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा । आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है । साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा । इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा । अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यों में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे। मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा। अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।